महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

हिंदी विश्वविद्यालय में मनाया एंटी रैगिंग सप्ताह

पोस्टर, स्लोगन, लोगो डिजाइन, निबंध लेखन, डाक्यूमेंट्री प्रदर्शन का हुआ आयोजन

वर्धा, 18 अगस्त 2025: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 12-18 अगस्त तक एंटी रैगिंग सप्ताह के अंतर्गत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, लोगो डिजाइन प्रतियोगिता का आयोजन महादेवी वर्मा सभागार में बुधवार, 13 अगस्त को किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. श्रीनिकेत मिश्र, डॉ. गौरी शर्मा, डॉ. रेनू सिंह, डॉ. समरजीत यादव ने किया।

एंटी रैगिंग सप्ताह के अंतर्गत बुधवार 13 अगस्त 2025 को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 30 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रैगिंग के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं उन्हें इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन के लिए प्रेरित करना था। प्रतिभागियों ने अपने निबंधों के माध्यम से न केवल रैगिंग की हानियों पर प्रकाश डाला, बल्कि इसके रोकथाम हेतु सार्थक सुझाव भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन डॉ. जगदीश नारायण तिवारी, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. आम्रपाल शेंदरे ने किया।

एंटी रैगिंग सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों को रैगिंग की रोकथाम, उसके दुष्परिणाम एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी देने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा निर्मित डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि रैगिंग जैसी कुप्रथाएं न केवल शैक्षणिक माहौल को नष्ट करती हैं, बल्कि विद्यार्थियों के मानसिक और सामाजिक विकास में भी गंभीर बाधा उत्पन्न करती हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रैगिंग उन्मूलन की दिशा में सकारात्मक संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलानुशासक एवं एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश मिश्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रैगिंग जैसी प्रवृत्तियाँ शैक्षणिक प्रगति के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सदैव सकारात्मक सोच, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

प्रस्तावना डॉ. हिमांशु शेखर ने प्रस्तुत की। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर आपसी सहयोग और भाईचारे का प्रतीक बने, यही इस अभियान का उद्देश्य है। कार्यक्रम के सफल संचालन में सभी संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों का सहयोग उल्लेखनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. चंद्रशेखर पांडेय ने किया तथा डॉ. योगेंद्र बाबू ने आभार माना। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय में सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समावेशी वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

हिंदी विश्वविद्यालयात अँटी रॅगिंग सप्ताह

पोस्टर मेकिंग, घोषवाक्य, लोगो डिझाइन, निबंध लेखन, डॉक्युमेंटरी सादरीकरणाचे आयोजन

वर्धा, १८ ऑगस्ट २०२५ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात १२ ते १८ ऑगस्टदरम्यान अँटी रॅगिंग सप्ताह अंतर्गत विशेष जनजागृती कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले. या अभियानांतर्गत पोस्टर मेकिंग, घोषवाक्य (स्लोगन), लोगो डिझाइन स्पर्धांचे आयोजन बुधवार, १३ ऑगस्ट रोजी महादेवी वर्मा सभागृहात करण्यात आले. या कार्यक्रमाचे समन्वयक डॉ. श्रीनिकेत मिश्रा, डॉ. गौरी शर्मा, डॉ. रेनू सिंह आणि डॉ. समरजीत यादव होते.

अँटी रॅगिंग सप्ताहाच्या अंतर्गत १३ ऑगस्ट २०२५ रोजी निबंध लेखन स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले. या स्पर्धेत एकूण ३० विद्यार्थ्यांनी उत्साहाने सहभाग नोंदवला. या स्पर्धेचा उद्देश विद्यार्थ्यांमध्ये रॅगिंगच्या दुष्परिणामांबाबत जागरूकता निर्माण करणे आणि त्यांना या सामाजिक वाईट प्रवृत्तीच्या निर्मूलनासाठी प्रेरित करणे होता. सहभागी विद्यार्थ्यांनी आपल्या निबंधांद्वारे केवळ रॅगिंगमुळे होणाऱ्या हानिकारक परिणामांची मांडणी केली नाही, तर त्याच्या प्रतिबंधासाठी प्रभावी उपाययोजनाही सुचविल्या. कार्यक्रमाचे आयोजन व समन्वयन डॉ. जगदीश नारायण तिवारी, डॉ. अभिषेक सिंह आणि डॉ. आम्रपाल शेंदरे यांनी केले.

या सप्ताहाच्या उपक्रमांतर्गत विद्यार्थ्यांना रॅगिंगच्या प्रतिबंधाबाबत, त्यांचे दुष्परिणाम व कायदेशीर तरतुदी यांची माहिती देण्यासाठी विद्यापीठ अनुदान आयोग (UGC) निर्मित डॉक्युमेंटरी दाखवण्यात आली. रॅगिंगसारख्या अपप्रवृत्ती केवळ शैक्षणिक वातावरण बिघडवतातच नाहीत, तर विद्यार्थ्यांच्या मानसिक आणि सामाजिक विकासातही गंभीर अडथळा निर्माण करतात असा संदेश या डॉक्युमेंटरीद्वारे देण्यात आला. या उपक्रमात विश्वविद्यालयाच्या विविध विभागांतील विद्यार्थ्यांनी सक्रिय सहभाग घेतला आणि रॅगिंग निर्मूलनासाठी सकारात्मक संकल्प व्यक्त केला.

या प्रसंगी विश्वविद्यालयाचे कुलानुशासक व सहयोगी प्राध्यापक डॉ. राकेश मिश्र यांनी विद्यार्थ्यांना संबोधित करताना म्हटले की, रॅगिंगसारख्या प्रवृत्ती शैक्षणिक प्रगतीसाठी अत्यंत घातक आहेत. त्यांनी विद्यार्थ्यांना नेहमी सकारात्मक विचार, सहकार्य आणि मानवी संवेदनेनिशी पुढे जाण्याचा संदेशदिला.

कार्यक्रमाची प्रस्तावना डॉ. हिमांशु शेखर यांनी केली. विद्यापीठ परिसर परस्पर सहकार्य व बंधुभावाचे प्रतीक बनावे हेच या अभियानाचे मुख्य उद्दिष्ट आहे असे ते म्हणाले.

कार्यक्रमाच्या आयोजनात सर्व संकाय सदस्य आणि विद्यार्थ्यांचे योगदान उल्लेखनीय राहिले. कार्यक्रमाचे संचालन डॉ. चंद्रशेखर पांडेय यांनी केले आणि आभारप्रदर्शन डॉ. योगेंद्र बाबू यांनी केले.हा उपक्रम विश्वविद्यालयात सुरक्षित, सन्माननीय आणि समावेशी वातावरण निर्माण करण्याच्या दिशेने एक महत्त्वपूर्ण पाऊल ठरले.